अभियोजन या समायोजन आविष्कारिका
(Adjustment Inventory)

(1) समस्या *(Problem)*—मोहसिन-शमशाद रूपान्तर अविष्कारिका द्वारा परीक्षार्थी के समायोजन को मापना (To measure the adjustment of the testee using Mohsin-Shamshad adaptation inventory)।

अथवा

किसी अनुकूल व्यक्तित्व-आविष्कारिका का उपयोग करके परीक्षार्थी के समायोजन की विभिन्न विमाओं का मापना (To administer any suitable personality inventory to measure the different dimensions of the testee's adjustment)।

(2) परिचय *(Introduction)*—समायोजन (adjutment) को मापने वाली आविष्कारिका (inventory) को समायोजन आविष्कारिका कहते हैं। इसके कई प्रकार हैं, जिनमें मोहसिन-शमशाद रूपान्तर एक बहुत उपयोगी आविष्कारिका है। यह आविष्कारिका वास्तव में **एच॰एम॰ बेल** (H.M. Bell, 1934) द्वारा बनायी गयी आविष्कारिका का अनुकूलन या रूपान्तर (adaptation) है, जो 1968 में किया गया। बेल-समायोजन आविष्कारिका (Bell's adjustment inventory) में 140 एकांश (items) हैं। **मोहसिन**

जिसको underline किये हैं सिर्फ उसी को लिखना है।

Scanned with CamScanner

तथा **शमशाद** ने रूपान्तर इसका अनुकूलन हिन्दी भाषा में किया जिसमें 135 एकांश रखे गये। इसके लिए समय निर्धारित नहीं है, किन्तु सामान्यत: 35 मिनट समय लगता है। **सक्सेना** (Saxena) ने भी बेल-समायोजन आविष्कारिका का अनुकूलन 1968 में हिन्दी भाषा में किया। मोहसिन-शमशाद अनुकूलन में 1987 में संशोधन लाया गया और इसमें 11 एकांशों को हटा दिया गया। अब इसमें केवल 124 एकांश है।

स्कोरिंग (Scoring) करने का तरीका यह है कि परीक्षार्थी से कहा जाता है कि वह प्रत्येक कथन के सामने अंकित तीन-तीन विकल्पी उत्तरों में से एक को चुनकर निशान लगा दे। जब वह सभी कथनों के प्रति उत्तर दे चुकता है तो उत्तरों को मैनुअल (Manual) की उत्तर-तालिका देखकर अंक प्राप्त किये जाते हैं। परीक्षार्थी द्वारा दिये गये जो उत्तर वास्तव में उत्तर-तालिका टेबुल 21 पृष्ठ-643 के उत्तर से मिलता है उस पर एक अंक दिया जाता है और जो उत्तर नहीं मिलता है उस पर अंक नहीं दिया जाता है। अंक जितना ही अधिक होता है, समायोजना उतना ही खराब (poor) माना जाता है। इस तालिका के आधार पर यह भी पता चल जाता है कि व्यक्तित्व की चार विमाओं अर्थात् परिवार, स्वास्थ्य, सामाजिक तथा संवेगात्मक से संबंधित कितने अंक प्राप्त हुए तथा प्रत्येक विमा में कैसा समायोजन है। कुल समायोजन (total adjustment) का भी पता चल जाता है। मैनुअल में दूसरी तालिका भी है, जिसमें शतमक (percentile) का बोध होता है। देखें टेबुल 22 तथा 23 पृष्ठ 644 इस अभियोजन-आविष्कारिका की विश्वसनीयता (reliability) .70 से .93 तक है।

(3) **उद्देश्य** *(Purpose)*—प्रस्तुत परीक्षण का उद्देश्य मोहसिन-शमशाद रूपान्तर (Mohsin-Shamshad adaptation) द्वारा परीक्षार्थी के समायोजन की जाँच करनी है।

(4) **प्रारंभिकताएँ** *(Preliminaries)*—

(i) परीक्षार्थी का नाम—सत्येन्द्र दत्त मिश्रा,

(ii) यौन (sex)—पुरुष,

(iii) आयु (age)—17 वर्ष,

(iv) शिक्षा का स्तर—स्नातक द्वितीय वर्ष (प्रतिष्ठा),

(v) परीक्षण का समय—दो बजे दिन।

(5) **परीक्षण सामग्री** (Test materials)—

(i) मोहसिन-शमशाद रूपान्तर आविष्कारिका की जाँच पुस्तिका (Mohsin-Shamshad adaptation inventory test booklet)

(ii) मैनुअल (Manual)

(iii) स्टॉप-वाच (stop-watch)

(iv) परदा (screen)

(v) कागज, पेंसिल आदि।

Scanned with CamScanner

(6) परीक्षण की कार्यप्रणाली *(Procedure of the test)* :

(i) परीक्षण का अभिकल्प *(Design for the test)*—

विमाएँ (dimensions)	पारिवारिक (Home)	स्वास्थ्य (Health)	सामाजिक (Social)	संवेगात्मक (Emotional)	कुल (Total)
एकांश की संख्या (no. of items)	31	29	32	32	124
प्राप्त अंक (obtained scores)					
शतमक (percentiles)					

(ii) योजना *(Planning)*—योजना बनायी गयी कि परीक्षार्थी के समायोजन का मापन चार विमाओं अर्थात् पारिवारिक, स्वास्थ्य, सामाजिक तथा संवेगात्मक विमाओं में किया जायेगा। इसके साथ-साथ कुल समायोजन (total adjutment) का मापन किया जायेगा। प्रत्येक क्षेत्र (area) या विमा (dimension) में प्राप्त अंक के आधार पर शतमक (percentile) निकाला जायेगा तथा कुल अंक के आधार पर भी शतमक निकाला जायेगा।

(iii) परीक्षण के लिए सामग्रियों की व्यवस्था*(Arrangement of the materials for the test)*— वास्तविक परीक्षण शुरू करने के पहले एक जाँच पुस्तका (Test-Booklet), एक मैनुअल (Manual), आदि सामग्रियों को टेबुल पर रख लिया गया। विराम-घड़ी की जाँच कर ली गयी। परीक्षार्थी को आराम से कुर्सी पर बैठाया गया तथा उसके साथ बातचीत करके रैपोर्ट (rapport) स्थापित किया गया और आवश्यक निर्देशन दिया गया।

(iv) निर्देश *(Instruction)*—"आपको एक परीक्षण-पुस्तिका दी जायेगी जिसके प्रथम पृष्ठ के ऊपर वाले भाग में नाम, यौन, आयु, वर्ग आदि के खाने बने हुए हैं। आप उन्हें भर लेंगे। इसी पृष्ठ पर छपे आदेश या निर्देशन को भी अच्छी तरह पढ़ लेंगे और उसी के अनुसार परीक्षण-पुस्तिका के प्रश्नों का उत्तर देंगे। प्रत्येक प्रश्न के सामने तीन-तीन विकल्पी उत्तर छपे हुए हैं—हाँ, नहीं, संदिग्ध (?)। आपको जो उत्तर अपने लिए ठीक लगे उसे पेंसिल से घेर देंगे। आप जितना शीघ्र हो सके उत्तर देने का प्रयास करेंगे।"

(v) वास्तविक परीक्षण-संचालन *(Actual test administration)*—पूरी व्यवस्था कर लेने तथा परीक्षार्थी को निर्देशन देने के बाद वास्तविक परीक्षण शुरू किया गया। परीक्षण-पुस्तिका परीक्षार्थी के हाथ में दे दी गयी और वह निर्देशन के अनुसार जब सभी प्रश्नों का उत्तर दे चुका तो परीक्षण-पुस्तिका उसके हाथ से ली ली गयी। फिर मैनुअल की अंक-तालिका या स्कोरिंग (जो आगे तालिका-21 में दिया गया है) के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र या विमा के लिए अलग-अलग अंक निर्धारित कर लिया गया तथा शतमक टेबुल-22 के आधार पर शतमक (percentile) निर्धारित किया गया।

Scanned with CamScanner

(7) प्राप्तांक-संग्रह *(Data collection)*—

विमाएँ (dimensions)	पारिवारिक (Home)	स्वास्थ्य (Health)	सामाजिक (Social)	संवेगात्मक (Emotional)	कुल (Total)
प्राप्त अंक (obtained scores)	12	8	12	10	42

(8) प्रदत्त-निरूपण*(Treatment of the data)*—मैनुअल में क्रमशः आई०ए० कला एवं विज्ञान के शहरी क्षेत्र, स्नातक कला एवं विज्ञान के शहरी छात्र, आई०ए० कला एवं विज्ञान के देहाती क्षेत्र, स्नातक कला के देहाती छात्र, आई०ए० कला के शहरी छात्र, तथा स्नातक कला के शहरी क्षेत्र की छात्राओं के लिए अलग-अलग शतमक (percentiles) दिये गये हैं। परीक्षार्थी के यौन तथा क्षेत्र (शहरी या देहाती) के अनुकूल किसी एक तालिका का उपयोग किया जाता है। प्रस्तुत परीक्षण में आगे दिये गये टेबुल-21 के आधार पर अंक (scores) तथा टेबुल-22 के आधार पर शतमक (percentiles) निकाले गये हैं, जो निम्नलिखित हैं—

विमाएँ (Dimensions)	पारिवारिक (Home)	स्वास्थ्य (Health)	सामाजिक (Social)	संवेगात्मक (Emotional)	कुल (Total)
प्राप्त अंक (Obtained scores)	12	8	12	10	42
शतमक (Percentiles)	40	50	60	60	50

(9) व्याख्या एवं निष्कर्ष *(Interpretation and conclusions)*—परिणाम-तालिका (resutls table) को देखने से पता चलता है कि पारिवारिक विमा में परीक्षार्थी (testee) का शतमक(percentile) 40 है। इसका अर्थ यह हुआ कि पारिवारिक समायोजन में 60% लोगों से वह नीचे है। यानी परिवार के लोगों के साथ उसका अभियोजन या समायोजन औसत (50%) से भी कम है। स्वास्थ्य विमा में उसका शतमक ठीक 50 है। इसका अर्थ यह हुआ कि स्वास्थ्य के मामले में वह औसत लोगों के समान है। सामाजिक विमा का शतमक 60 है। इसका अर्थ यह है कि सामाजिक अभियोजन में 60 लोग उससे नीचे हैं अर्थात् इस विमा पर वह औसत लोगों से अधिक अच्छा है। संवेगात्मक विमा का शतमक 60 है। अतः इस विमा पर भी वह 60% लोगों से अधिक अच्छा अभियोजन रखता है। चारों विमाओं का कुल शतमक 50 है। अतः सामूहिक रूप से परीक्षार्थी का अभियोजन या समायोजन औसत है।

Scanned with CamScanner